मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 42 ■ अंक : 192 ■ शुक्रवार, 18 अक्टूबर 2024 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play install now /ulhasvikas
संपादक – हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

क्या आयलानी का टिकट कटेगा ?

- कालानी हुए थे भाजपा की टिकट से वंचित
- अंत समय में मिला था कालानी को राकांपा का टिकट
- कालानी पर राकांपा वरिष्ठ नेताओं को भरोसा नहीं
- वंचित आघाड़ी से गुप्ता घोषित हुए उम्मीदवार

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में चुनाव घोषित होते ही टिकट की भागमभाग शुरू हो गई है। महायुति व महाविकास आघाडी ने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं की है। ज्ञात हो कि महायुति ने पिछले चुनाव में कई मौजूदा विधायकों का टिकट काटा था जो इस बार भी काटने की तैयारी चल रही है। जिस तरह कल्याण में नरेंद्र पवार का टिकट कट हुआ था क्या उसी तरह उल्हासनगर शहर में भी मौजूदा विधायक कुमार आयलानी का टिकट कट होगा। ज्ञात हो कि महायुति ने पिछले चुनाव में कई विधायकों का टिकट काटा था. सूत्रों से पता चला है कि इस बार भी कुछ वर्तमान विधायकों को टिकट कट सकता है क्योंकि भाजपा नए उम्मीदवारों को टिकट देने की तैयारी कर रही है. अगर होगा तो क्या उनके घर के सदस्य को टिकट मिलेगा अथवा भाजपा के अन्य नेता को मिलेगा। या फिर कहीं सहयोगी पक्ष राकांपा अजित पवार गुट के भरत गंगोत्री को ही उम्मीदवारी मिल जाएगी। इस पर अभी सस्पेंस बरकरार है। अगर भरत गंगोत्री को टिकट नहीं मिला तो वो इस बार अपक्ष से चुनाव लड़ेंगे ऐसा उन्होंने ऐलान किया है।

ज्ञात हो कि चुनाव में अंतिम समय तक टिकट हाथ से फिसलता देखा गया है जैसे पिछले 2019 के चुनाव में कालानी को भाजपा के टिकट का लॉलीपॉप मिला था लेकिन बाद में आयलानी उम्मीदवार घोषित हो गए। तब शरद पवार की शरण में जाकर अंत दिनों में कालानी ने टिकट हासिल किया। तब राकांपा की टिकट पर कालानी की हार हुई थी। अभी कालानी के लिए भी स्थिति यह है कि राकांपा में रहते हुए भी उन्हें टिकट के लिए कतार में खड़ा होना पड़ रहा है। राकांपा जिलाध्यक्ष जयंत पाटील ने ओमी कालानी के साक्षात्कार में उन्हें खरी खोटी सुनाते हुए यह कह दिया था कि राकांपा में रहते हुए उन्होंने हमेशा विरोधियों के लिए कार्य किए हैं। लोकसभा चुनाव में भी महायुति का खुले तौर पर समर्थन किया गया ऐसे में पार्टी कालानी पर कैसे विश्वास करें। जिस कारण कालानी व भालेराव में राकांपा टिकट को लेकर रस्साकशी चल रही है। वहीं कल वंचित विकास आघाडी ने विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की तीसरी सूची की घोषणा कर दी है। इस सूची में उल्हासनगर शहर के उत्तर भारतीय नेता संजय गुप्ता को उल्हासनगर विधानसभा से उम्मीदवार घोषित किया गया है. यह किसी राजनीतिक दल द्वारा घोषित पहला टिकट है। आगामी मंगलवार 22 अक्टूबर से नामांकन पत्र भरने की प्रक्रिया शुरू हो रही है। 29 अक्टूबर तक नामांकन पत्र भरे जाएंगे ऐसे में इस बार कितने उम्मीदवार होते हैं यह देखना अहम होगा। फिलहाल टिकट की हाय मारी जोरों पर चल रही है।

विधानसभा चुनाव कराने प्रशासन मुस्तैद

चुनाव अधिकारी ने जारी किया चुनाव कार्यक्रम

- उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र में जोरदार तैयारियां शुरू
- अनुविभागीय अधिकारियों ने की समीक्षा बैठक

उल्हासनगर. 141 उल्हासनगर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के तहत 2024 विधानसभा आम चुनाव के आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाओं को लेकरउपविभागीय अधिकारी कार्यालय, पवई चौक में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता उपमंडल अधिकारी विजयानंद शर्मा और तहसीलदार कल्याणी कदम ने की और विभिन्न टीमों के प्रमुख, कर्मचारी, मतदान केंद्र स्तर के अधिकारी (बीएलओ) और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

इस बैठक में उपविभागीय अधिकारी विजयानंद शर्मा एवं तहसीलदार कल्याणी कदम ने चुनाव की पूरी प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत निर्देश देते हुए मतदान प्रक्रिया की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों और टीम प्रमुखों से भारत निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आग्रह किया गया। चुनाव की तैयारी हेतु नियुक्त विभिन्न टीमों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्य के त्वरित निस्तारण हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये। साथ ही उपखण्ड अधिकारियों ने टीम प्रमुखों की समस्याओं, कठिनाइयों और उनके विचार को जाना। चुनाव प्रक्रिया में आने वाली कठिनाइयों का तत्काल समाधान निकालकर उनकी समस्याओं का समाधान किया गया। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह किया गया कि वे अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभाये।

इस बैठक में महत्वपूर्ण टीमों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इसमें मुख्य रूप से निर्वाचन निर्णय अधिकारी कक्ष, नामांकन दल, जनशक्ति प्रबंधन दल, सामग्री दस्ता, अभ्यर्थी लागत दस्ता, बी.एल.ओ. प्रबंधन कक्ष, आचार संहिता और एक खिड़की योजना कक्ष, मतदाता केंद्र सुविधा टीम और पहचान पत्र वितरण टीम शामिल थी। साथ ही क्षेत्रीय पदाधिकारी प्रबंधन कक्ष, मतदान केंद्र कक्ष, विद्युत प्रबंधन एवं फर्नीचर व्यवस्था टीम, डाक मतपत्र प्रबंधन टीम, ईटीपीबीएस कक्ष, मानचित्र निर्माण टीम, स्वीप कक्ष, मतदाता सहायता केंद्र टीम एवं मीडिया प्रबंधन टीम आदि ने चुनाव तैयारियों को लेकर अपनी-अपनी तैयारी प्रस्तुत की।

विधानसभा आम चुनाव 2024 का कार्यक्रम

1. नामांकन पत्र जमा करने की तिथि 22 अक्टूबर, 2024 (मंगलवार) से 29 अक्टूबर (मंगलवार)
2. नामांकन पत्रों की जाँच दिनांक 30 अक्टूबर, 2024 (बुधवार)
3. उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथिः- 04 नवंबर, 2024 (सोमवार)
4. मतदान की तिथिः- 20 नवंबर, 2024 (बुधवार)
5. मतगणना की तिथिः 23 नवंबर, 2024 (शनिवार)
6. चुनाव प्रक्रिया पूरी होने की तिथिः 25 नवंबर, 2024 (सोमवार)

चुनाव रिटर्निंग अधिकारी ने जारी किए निर्देश

1. नामांकन पत्र दिनांक 22.10.2024 से 29.10.2024 तक प्रातः 11.00 बजे से अपराह्न 3.00 बजे तक कार्यालय निर्वाचन निर्णय अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, नवीन प्रशासनिक भवन, पवई में स्वीकार किये जायेंगे।
2. 26 अक्टूबर (चौथा शनिवार) एवं 27 अक्टूबर (रविवार) को सार्वजनिक अवकाश के दिन नामांकन पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे।
3. नामांकन पत्र प्रपत्र 2 में दाखिल किया जाना चाहिए, जिसके साथ निर्धारित प्रपत्र 26 में शपथ पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज संलग्न होने चाहिए। नामांकन पत्र के साथ जमा किया जाने वाला प्रपत्र 26 में शपथ पत्र पूर्ण रूप से भरा होना चाहिए।
4. एक उम्मीदवार अधिकतम 4 नामांकन पत्र दाखिल कर सकता है. साथ ही दो से अधिक विधानसभा क्षेत्रों में नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया जा सकेगा.
5. उम्मीदवार को स्वयं अथवा उसके किसी प्रस्तावक को स्वयं उपस्थित होकर नामांकन दाखिल करना होगा
6. नामांकन पत्र दाखिल करते समय उम्मीदवार एवं 4 अन्य कुल 5 (पांच) व्यक्तियों को चुनाव निर्णय अधिकारी के कक्ष में प्रवेश की अनुमति होगी। 100 मीटर के भीतर कुल 5 से अधिक व्यक्तियों को अनुमति नहीं होगी।
7. नामांकन पत्र दाखिल करने वाले उम्मीदवारों को आयोग द्वारा रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय के 100 मीटर के भीतर अधिकतम तीन (3) वाहन लाने की अनुमति है। परिसर में तीन से अधिक वाहनों की अनुमति नहीं होगी। 8. नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले उम्मीदवार को नामांकन पत्र की ज़ेरॉक्स कॉपी और उसके साथ संलग्न दस्तावेजों को ले जाना होगा।

ठाणे जिले में बढ़े 3 लाख 45 हजार 484 मतदाता

ठाणे. लोकसभा चुनाव के दौरान चलाये गये सतत मतदाता पंजीकरण कार्यक्रम के तहत जिले में मतदाताओं की संख्या 68 लाख एक हजार 244 हो गयी है. इस कार्यक्रम के तहत मतदाताओं द्वारा मतदाता पंजीकरण पर जोर देने के कारण तीन लाख 45 हजार 484 नये मतदाताओं की वृद्धि हुई है।

वहीं, लोकसभा चुनाव के दौरान मतदान केंद्रों के बाहर मतदाताओं की कतार को देखते हुए विधानसभा चुनाव में मतदान केंद्रों की संख्या साढ़े तीन सौ से ज्यादा बढ़ गयी है. मतदान प्रक्रिया को तेज करने के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। यह जानकारी कलेक्टर अशोक शिंगारे ने दी.

जिला कलेक्टर अशोक शिंगारे ने बुधवार (16 तारीख) को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ठाणे जिले के 18 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव तैयारियों की जानकारी दी. ठाणे जिले के 18 विधानसभा क्षेत्र चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यहां आचार संहिता के क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में तीन-तीन सत्रों में नौ टीमें रहेंगी। एक जिला नोडल अधिकारी, विधानसभा क्षेत्रवार नोडल अधिकारी होंगे।

ठाणे जिले के 18 विधानसभा क्षेत्रों में 71 लाख 55 हजार 728 मतदाता हैं। इनमें 38 लाख 13 हजार 264 पुरुष, 33 लाख 41 हजार 70 महिला, 1394 अन्य मतदाता हैं. इसमें 18 से 19 आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या एक लाख 65 हजार 597 है. दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 37 हजार 854 है, जबकि 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या 57 हजार 209 है. शिंगारे ने बताया कि ओवला-मजीवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र में सबसे अधिक यानी पांच लाख 40 हजार 293 मतदाता हैं, जबकि उल्हासनगर निर्वाचन क्षेत्र में सबसे कम यानी दो लाख 80 हजार 852 मतदाता हैं।

ठाणे जिले के 18 विधानसभा क्षेत्रों में 2,268 स्थानों पर कुल 6,894 मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इसमें कंक्रीट भवनों में मतदान केंद्रों की संख्या पांच हजार 303, विभाजन में मतदान केंद्रों की संख्या एक हजार 204, मंडपों में मतदान केंद्रों की संख्या 387, आवासीय परिसरों में मतदान केंद्रों की संख्या 337 है. स्लम बस्तियों में मतदान केन्द्रों की संख्या 252 है। वहीं, चुनाव के लिए जरूरी 35 हजार कर्मचारी भी उपलब्ध हैं. मतदान केंद्र पर मतदाताओं को असुविधा न हो इसके लिए पानी, बैठने के लिए बेंच आदि की व्यवस्था की जायेगी.

पुनः मतदाता पंजीकरण कार्यक्रम

जिले में 18 से 19 आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 13 हजार 361 हो गयी है. 3 मई 2024 को मतदाताओं की संख्या 1 लाख पांच हजार 966 थी, जबकि 6 अगस्त 2024 को मतदाताओं की संख्या 1 लाख 19 हजार 327 थी. निर्वाचन विभाग की ओर से पुनः मतदाता पंजीकरण कार्यक्रम के तहत कराये गये मतदान में 46 हजार 270 मतदाता बढ़ने से नये मतदाताओं की संख्या सीधे तौर पर 1 लाख 65 हजार 597 हो गयी है.

अंबरनाथ विधानसभा में 3.71 लाख मतदाता

- कुल 939 बूथ, 228 अंबरनाथ में, उल्हासनगर में 111 बूथ होंगे
- 2400 कर्मचारी होंगे नियुक्त
- चुनाव अधिकारी ने पत्रकारों को दी जानकारी

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ निर्वाचन क्षेत्र में कुल 3 लाख 71 हजार 506 मतदाता हैं. लोकसभा चुनाव में 319 बूथ थे, जो अब बढ़कर 339 कर दिए गए हैं. 20 पोलिंग बूथ बढ़ाए गए हैं. अंबरनाथ नपा क्षेत्र में 228 बूथ हैं और उल्हासनगर में 111 बूथ हैं. ऐसी जानकारी पत्रकारों को चुनाव अधिकारी प्रशांत जोशी ने दी है.

तहसीलदार कार्यालय में उक्त जानकारी देते हुए तहसीलदार एवं सहायक चुनाव अधिकारी अमित पुरी भी उपस्थित थे. उन्होंने बताया कि अंबरनाथ निर्वाचन क्षेत्र में कुल 2400 कर्मचारी हैं, जो इस चुनाव प्रक्रिया को देखेंगे. 2221 वरिष्ठ मतदाता हैं, जिनकी आयु 85 वर्ष से ज्यादा है. उनके लिए घर पर जाकर अथवा सहूलियत के साथ उन्हें मतदान उपलब्ध कराकर देने के लिए हम कटिबद्ध हैं. ऐसा चुनाव अधिकारी ने बताया है. 1097 दिव्यांग मतदाता हैं. महिलाओं के लिए तीन पिंक बूथ हैं, जहां सभी कर्मचारी महिलाए होंगी. नए मतदाताओं का स्वागत पुष्प से किया जाएगा. वोटिंग करते समय किसी भी मतदाता को परेशानी या तकलीफ ना हो इसका भरपूर ख्याल रखा जाएगा. मतदातन केंद्र पर पीने के पानी का प्रबंध रहेगा. बैठने के लिए बेंचेस होंगे, जहां संभव हो, वहां पंखे लगाए जाएंगे. इस प्रकार हर तरह की सहूलियत रखी जाएगी. मतदान का प्रतिशत बढ़े इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं. विदित हो कि लोकसभा चुनाव में 47 प्रतिशत मतदान हुआ था. इस बार 50 फीसदी से ऊपर मतदान होगा, ऐसी आशा चुनाव अधिकारी ने व्यक्त की है.

बिस्किट में नशीला पदार्थ देकर लूटनेवाला गिरफ्तार

- कल्याण स्टेशन पर पुलिस ने पकड़ा

कल्याण. वह रेल यात्री को बातों में लगाता था और यात्री को बिस्किट में बेहोशी की दवा मिलाकर खाने को देता था. कल्याण लोहमार्ग पुलिस ने बुधवार को एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया, जो एक यात्री के बैग में मौजूद कीमती सामान या नकदी व मोबाइल फोन लेकर भाग गया था। आरोपी का नाम रामसूरत रामराज पाल (46) है। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है. फिलहाल वह भिवंडी में रहकर कल्याण से मुंबई इलाके के रेलवे स्टेशनों से यात्रियों के बैग और मोबाइल फोन चोरी करने के धंधे में लगा हुआ था.

कल्याण लोहमार्ग पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पंढरी कांदे ने बताया, मंगलवार दोपहर एक यात्री कल्याण रेलवे स्टेशन के स्काईवॉक पर खड़ा था. वह उत्तर प्रदेश जाना चाहता था. उनके पास एक से दो बैग थे. यात्री उत्तर प्रदेश जाने वाली एक्सप्रेस का इंतजार कर रहा था. आरोपी रामसूरत यात्री के पास पहुंचा और पूछा कहां जा रहे हो। उन्होंने कहा कि वह उत्तर प्रदेश जा रहा हूं. रामसूरत ने यह भी बताया कि मैं भी उत्तर प्रदेश से हूं और वहां जाऊंगा. रामसूरत ने यात्री से दोस्ती कर ली और उससे बातचीत करने लगा। इस बातचीत में आरोपी रामसूरत ने कहा कि उसे भूख लगी है और वह उसके पास रखा बारबोर्न बिस्किट खाने लगा. बाद में रामसूरत ने बिस्किट में बेहोशी की दवा डाल दी और यात्री को खाने के लिए दे दिया. बिस्कुट खाते ही यात्री को तुरंत चक्कर आ गया और उसका सिर भारी हो गया. उसे उल्टियाँ होने लगीं, जी मिचलाने लगा। वह जहां बैठा था वहीं गिर पड़ा. इसी मौके का फायदा उठाकर रामसूरत ने यात्री का बैग उठाया और वहां से भागने की कोशिश की.

पुलिस रिकार्ड में निकला शातिर अपराधी

गश्ती के दौरान रेलवे पुलिस की नजर इस पर पड़ी. उन्होंने तुरंत रामसूरत को रोका और पूछा कि बैग किसका है। पुलिस को यह मामला संदिग्ध लगा तो तुरंत उन्हें रामसूरत लोहमार्ग थाने लाया गया. पूछताछ के बाद उसने पुलिस के सामने कबूल किया कि उसने एक यात्री को बिस्किट में नशीली दवा खिलाकर उसका बैग चुरा लिया था। स्काईवॉक पर गिरे यात्री को पुलिस तुरंत लोहमार्ग थाने ले आई। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया. पुलिस ने रामसूरत के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को जानकारी मिली है कि रामसूरत के खिलाफ यहां कुर्ला रेलवे स्टेशन पर भी अपराध दर्ज किया गया है. रिकार्ड में रामसूरत अपराधी निकला।

आचार संहिता लागू होते ही 200 बैनर हटाए

- उल्हासनगर मनपा ने की त्वरित कार्रवाई

उल्हासनगर. अपर आयुक्त किशोर गवस ने बताया कि आचार संहिता लागू होते ही महानगर पालिका की अतिक्रमण निरोधक टीम ने कुछ ही घंटों में राजनीतिक दलों के करीब दो सौ बैनर, पोस्टर, झंडे, बोर्ड हटा दिये.आगामी विधानसभा चुनाव की आचार संहिता मंगलवार को लागू होते ही मनपा आयुक्त विकास ढाकणे, अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवास के निर्देशानुसार अतिक्रमण निरोधक दल प्रमुख गणेश शिंपी की टीम ने झंडे, बैनर, पोस्टर आदि हटा दिये. शहर के अलग-अलग इलाकों में तुरंत लगे विभिन्न पार्टियों के कपड़े के बोर्ड कुछ ऊंचे स्थानों पर लगे बैनरों को हटाने का काम जारी है. माना जा रहा है कि हटाए गए बैनरों में सबसे ज्यादा शिंदे गुट और बीजेपी के बैनर और पोस्टर शिव सेना के हैं.

गुटखा-पान मसाला के साथ 2 गिरफ्तार

- महंगी कार में 5 लाख 40 हजार का गुटखा ले जाया जा रहा था
- दोनों आरोपी 3 दिन की पुलिस रिमांड पर

अंबरनाथ. अंबरनाथ में दिनदहाड़े एक महंगी कार में लाखों रुपयों का प्रतिबंधित गुटखा, पान मसाला ले जाते हुए दो लोगों को अंबरनाथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है. दोनों आरोपी फरहान वहीद खान (उलन चाल) और भूषण सुभाष (बदलापुर) को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर 3 दिन की रिमांड पर ले लिया है. सफेद कार नं. एमएच 04 जेएम 6615 को भी जब्त किया गया है.

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बदलापुर से एक सफेद कार शहर के मटका चौक पर आ रही थी. तैनात पुलिसकर्मियों को शक होने पर उसे रोक कर तलाशी ली गई तो उसमें 5 लाख 40 हजार रुपए का प्रतिबंधित गुटखा, पान मसाला बरामद हुआ. दोपहर एक बजे की ये घटना ह. फरहान खान और भूषण सुभाष को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश करके दोनों को तीन दिन की पुलिस कस्टडी में लिया गया है. उनसे ये पूछा जा रहा है कि ये गुटखा वह कहां सप्लाई के लिए ले जा रहे थे. उनका बॉस कौन है. शहर के वुलन चाल परिसर में अंबिका मंदिर के पास भी तीन दुकानों पर छापा मारकर अन्न व औषधि विभाग ने गुटखा बरामद करके उनको पकड़ा था. दुकानों को भी सल किया गया था. क्या अब उलन चाल से ये काला घिनौना कारोबार पूरी तरह बंद हो जाएगा, ऐसा प्रश्न यहां के निवासी कर रहे हैं.

कोर्ट के आदेश पर अंबिवली के अपराधी मोक्का से बरी

कल्याण. महाराष्ट्र संगठित अपराध न्यायालय (MOCCA) के न्यायाधीश अमित शेटे ने कल्याण के पास अंबिवली के ईरानी बस्ती के चार शातिर अपराधियों को मामला दर्ज करने के बाद मामले की ठीक से जांच करने में विफलता, आरोपियों के खिलाफ मजबूत सबूत देने में असमर्थता के आधार पर बरी कर दिया है।

आरोपियों की पहचान कासिम असफर ईरानी उर्फ सैयद (35), भूरेलाल गुलाम ईरानी (28), सरफराज फिरोज ईरानी उर्फ बागी (34), जेनाली फिरोज ईरानी (31) के रूप में हुई है। ये सभी आरोपी कल्याण के पास अंबिवली की ईरानी बस्ती के रहने वाले हैं। कई वर्षों से ईरानी वस्ती को चोरों के स्वर्ग के रूप में जाना जाता है।

कल्याण की पुलिस ने इन आरोपियों के खिलाफ सोने की चेन, मंगलसूत्र चोरी, डकैती के मामलों में भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। छह साल पहले कल्याण में दर्ज मंगलसूत्र चोरी के मामले में पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. पुष्पावती कनाडे की मंगलसूत्र चोरी होने की शिकायत थी. कनाडे में चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उन पर डकैती और सोना के गहने चोरी करने का आरोप लगाया. उनके खिलाफ संगठित अपराध अधिनियम के तहत कार्रवाई की। मोक्का एक्ट के तहत कार्रवाई के कारण चारों आरोपियों का जेल से बाहर निकलना मुश्किल हो गया था. जब मामला मोक्का कोर्ट में सुनवाई के लिए आया तो आरोपी के वकील एड. पुनित महिमकर, एड. जावेद शेख, एड. सुनील रवानी ने पुलिस द्वारा आरोपियों पर लगाये गये सभी आरोपों से इनकार किया. आरोपी के वकील ने मोक्का अदालत को बताया कि आरोप मनगढ़ंत हैं। अदालत ने आरोपियों के खिलाफ पुलिस द्वारा दायर साक्ष्य दस्तावेजों की भी जांच की। इसमें कई विसंगतियां पाई गईं। इस मामले में, पुलिस ने गवाहों पर विचार किए बिना, सीधे पुलिस आयुक्त को रिपोर्ट की और निष्कर्ष निकाला कि इन आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी।

पुलिस इस बात को पुख्ता सबूतों के साथ कोर्ट में साबित नहीं कर पाई. कोर्ट ने पुलिस के जांच कार्य पर कड़ी नाराजगी जताई और आरोपी को मोक्का आरोप से बरी कर दिया.

पत्नी की हत्या कर फरार पति वाराणसी से गिरफ्तार

- बच्ची का पालन-पोषण ठीक से नहीं करने पर पति ने की थी हत्या

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. शिवाजी नगर पुलिस ने पालेगांव में अपनी पत्नी की गला चीर कर हत्या करने वाले फरार पति को यूपी के वाराणसी से गिरफ्तार किया है. उल्हासनगर जोन 4 के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने ऐसी जानकारी पत्रकारों को दी है.

उन्होंने बताया कि हत्या आरोपी पति विकी बबन लोंढे (27) ने अपनी पत्नी रूपाली (26) की हत्या इसलिए की कि वह उसकी छोटी लड़की का पालन पोषण ठीक ढंग से नहीं करती थी. दोनों ने लव मैरिज किया था. 8 अक्टूबर को उपरोक्त कारण को लेकर दोनों में फिर से झगड़ा हुआ. विकी ने रूपाली की पट्टे से गला दबाकर नीचे गिराकर छुरी से गला काटकर उसकी हत्या करके भाग गया था. उसे तलाश करने के लिए पुलिस की तीन टीमें बनाई गई थी. 9 दिनों से वह पुलिस को नहीं मिल रहा था. आखिर पुलिस का मालूम पड़ा कि वह वाराणसी में है. पुलिस उप निरीक्षक सिराज शेख, हवलदार सौदाणे, हवलदार पादीर तुरंत यूपी गए और वाराणसी से उसे गिरफ्तार कर लिया गया. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश पाटिल की निगरानी में ये कार्रवाई की गई है. पत्नी बच्ची का पालन पोषण ठीक ढंग से नहीं कर रही थी. इसलिए पति ने उसकी हत्या कर दी, लेकिन अब पति भी जेल में से जल्द छूटेगा नहीं, वह भी अपनी बच्ची के पालन पोषण से वंचित रह गया है.

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास संपादकीय

असुरक्षित हवाई यात्रा

हवाई यात्रा को बेहद सुरक्षित और सुगम्य साधन माना जाता है। रेलगाड़ियों में भीड़भाड़ और अधिक समय लगने से यात्रियों का एक बड़ा वर्ग हवाई यात्रा को प्राथमिकता देता है। मगर यहां भी लेटलतीफी, उड़ानों के रद्द होने और विमानों में बम रखे जाने के फर्जी संदेशों तथा धमकियों ने उन्हें मुश्किल में डाल दिया है। बीते दिनों दिल्ली से शिकागो जा रहे एअर इंडिया के विमान सहित सात उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी से विमानन कंपनियों में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में यात्री सांसत में पड़ गए। उन्हें काफी दिक्कत हुई और वे गंतव्य तक काफी देर से पहुंचे।

एअर इंडिया के विमान को कनाडा में आपात स्थिति में उतारना पड़ा, जबकि अन्य विमानों को अलग-अलग हवाई अड्डों पर उतार कर उनकी सघन जांच की गई। इसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। सुरक्षा अधिकारी सोशल मीडिया मंच के माध्यम से दी गई धमकी की जांच कर ही रहे थे कि बुधवार को दिल्ली से बंगलुरु जा रहे विमान में बम रखे होने की फिर धमकी मिली। बीते तीन दिनों में ऐसे कई फर्जी संदेश मिले। ऐसे मामलों से आरोपियों का तुरंत न पकड़ा जाना चिंता की बात है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एक कारगर तंत्र की जरूरत है।

यह एक बड़ा सवाल है कि सोशल मीडिया मंच से या ई-मेल भेज कर कोई इस तरह खुलेआम धमकी कैसे दे सकता है। यह हाल तब है जबकि ऐसे फर्जी संदेशों को पकड़ने की आधुनिक तकनीक हमारे पास उपलब्ध है। फिर भी सुरक्षा एजंसियां झूठी धमकियां देने वालों का पता नहीं लगा पातीं।

आरोपी कहीं भी बैठ कर अपनी हरकत दोहराते रहते हैं। ऐसी घटनाओं से जहां एक ओर सुरक्षित यात्रा के प्रति भरोसा टूटता है, वहीं यात्रियों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ जाती है। नागरिक उड्डयन सचिव ने कहा है कि आरोपियों की पहचान की जा रही है। मगर सवाल यही है कि इसमें इतना वक्त लगता ही क्यों है। हाल की घटनाएं विमानन कंपनियों के लिए चुनौती हैं, एक सबक भी। फर्जी संदेशों का खौफ खत्म करने के लिए कारगर तकनीकी तंत्र विकसित करना जरूरी है।

नेतृत्व पदों में महिलाओं की स्वीकार्यता सहज नहीं

हाल में सर्वोच्च न्यायालय ने मनीषा रविंद्र पानपाटिल बनाम महाराष्ट्र राज्य एवं अन्य के मामले की सुनवाई करते हुए महाराष्ट्र के जलगांव जिले के विचारखंडा पंचायत की महिला सरपंच को तकनीकी आधार पर अयोग्य ठहराए जाने पर महिला प्रतिनिधियों के प्रति प्रशासन के सभी स्तरों पर व्याप्त भेदभावपूर्ण रवैये पर अपनी अप्रसन्नता व्यक्त की।

सुप्रीम कोर्ट ने महिला सरपंच को राहत देते हुए टिप्पणी की कि 'यह प्रकरण तब और भी गंभीर हो जाता है, जब हम एक देश के रूप में सार्वजनिक कार्यालयों और निर्वाचित निकायों में पर्याप्त महिला प्रतिनिधित्व सहित सभी क्षेत्रों में लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण के प्रगतिशील लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं।

जमीनी स्तर पर इस तरह के उदाहरण हमारे द्वारा हासिल की गई किसी भी प्रगति पर गहरा आघात करते हैं।' शीर्ष न्यायालय की यह टिप्पणी संपूर्ण सामाजिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। राजनीति का क्षेत्र पुरुषों का गढ़ माना जाता रहा है।

इसलिए जब 73वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत स्थानीय सरकारों यानी गांव से लेकर जिला स्तर तक की संस्थाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण दिया गया तो संभावना जताई गई कि यह राजनीति में पुरुषों के एकाधिकार की समाप्ति का नवीन अध्याय लिखेगा। इसके बाद ग्रामीण अंचलों में महिलाएं नेतृत्व करते दिखाई देने लगीं, परंतु यह एक छद्म तस्वीर थी, क्योंकि

वास्तविक सत्ता पुरुष सदस्यों के हाथ में बनी रही और आज भी कई जगह यह परंपरा यथावत कायम है।

'सरपंच पति' स्थानीय राजनीति से जुड़ी वह सच्चाई है, जो राजनीतिक क्षेत्र में लैंगिक समानता के प्रयासों को ठेंगा दिखाती है। अमूमन सभी के मन में यह प्रश्न कौंधता है कि क्यों महिला सरपंच स्वयं इसका विरोध नहीं करतीं? प्रशासन की नाक के नीचे सरपंच पतियों का अस्तित्व कई प्रश्न खड़े करता है।

प्रशासन की अवहेलना से कहीं अधिक यह मुद्दा सामाजिक स्तर पर सुषुप्त चेतना का है। सरपंच पति सर्वस्वीकार्य व्यवस्था का वह स्वरूप है, जो किसी को भी विचलित नहीं करता। इसके विपरीत सामाजिक स्तर पर तब असहजता उत्पन्न होती है, जब कोई महिला सरपंच स्वतंत्र रूप से अपने दायित्व का निर्वहन करे। तब उसे उसके पद से हटाने के लिए नए-नए तरीके आजमाए जाते हैं, जैसा कि मनीषा रविंद्र के साथ आजमाए गए।

उन्हें इस आरोप के आधार पर हटाने का फैसला लिया गया था कि वह कथित तौर पर सरकारी जमीन पर बने घर में रह रही थीं। इस आरोप को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लगता है कि ग्रामीण इस वास्तविकता को स्वीकार करने में असमर्थ थे कि एक महिला सरपंच उनकी ओर से निर्णय लेगी और उन्हें उसके निर्देशों का पालन करना होगा।

ऐसा विरले ही होता है कि किसी गांव विशेष में सरपंच पति के अनुचित अधिकार अतिक्रमण का विरोध हुआ हो। राजनीति में महिला प्रतिनिधित्व एक बहुत बड़ी चुनौती है और ऐसा नहीं है कि यह एकमात्र भारत की समस्या हो। विकसित देश की अग्रणी पंक्ति में खड़े जी-7 समेत कुछ प्रमुख यूरोपीय देशों की भी यही स्थिति है।

'द रेक्जाविक इंडेक्स फॉर लीडरशिप 24' का एक अध्ययन बताता है कि 'महिलाएं स्वयं भी नेतृत्व के पदों के लिए महिलाओं को पुरुषों के समान योग्य नहीं मानतीं।' यह तथ्य चौंकाता है, परंतु अगर गंभीरता से विचार किया जाए तो यह वह वास्तविकता है, जिसके संबंध में कभी भी गहन शोध करने के प्रयास नहीं किए गए।

अमूमन यही माना जाता रहा है कि महिला नेतृत्व पुरुषों को चुभता है, परंतु यह आंशिक सत्य है। आम तौर पर यही सोच महिलाओं का भी है, परंतु उन्हें कठघरे में खड़ा करना न्यायोचित नहीं। सामाजिक मनोविज्ञानी फेय क्रास्बी कहते हैं कि पितृसत्तात्मक सोच इस कदर समाज में घुल-मिल गया है कि अधिकांश महिलाओं को इसका पता नहीं होता कि वे समुदाय में लैंगिक भेदभाव का शिकार हुई हैं।

हमारे भीतर आत्मा की असीम शक्ति व ऊर्जा मौजूद है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

भारत ने पाकिस्तान के साथ चीन को भी दी नसीहत

पाकिस्तान की मेजबानी में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के मंच से भारत ने स्पष्ट कहा कि आतंकवाद का रास्ता छोड़े बिना विकास के रास्ते पर आगे नहीं बढ़ा जा सकता। भारत हमेशा संकल्प के साथ अपनी बात रखता है। भारत ने यह साहस दिखाया है कि वहां जाकर अपनी बात रखे, जहां से आतंक को पनाह दी जाती है। भारत ने चीन को भी नसीहत दी और कहा कि अगर क्षेत्रीय अखंडता को मान्यता नहीं दी जाएगी, तो सहयोग वास्तविक नहीं हो सकता।

दरअसल, आर्थिक गलियारे की परियोजना को लेकर चीन और पाकिस्तान का नापाक गठजोड़ छिपा नहीं है। इस परियोजना के निहित स्वार्थों की खातिर चीन ने हमेशा पाकिस्तान की कारगुजारियों का समर्थन किया है। इसके तहत चीन के झिनझियांग उइगुर और पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह तक करीब तीन हजार किलोमीटर लंबी दूरी तक बुनियादी ढांचा परियोजना विकसित होनी है। यह गलियारा भारत की सीमा के बहुत नजदीक से होकर गुजरेगा और इसमें गिलगित तथा बालटिस्तान क्षेत्र भी आते हैं, जो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का हिस्सा हैं और उन्हें लेकर दोनों देशों के बीच शुरू से विवाद बना हुआ है। इस परियोजना के चलते कश्मीर सीमा तक चीन पहुंच आसान हो जाएगी।

चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का विरोध रणनीतिक दृष्टि से भारत तो करता ही रहा है, बलूचिस्तान प्रांत में इसका तीखा विरोध होता रहा है। अक्सर बलूच विद्रोही इस आर्थिक गलियारे के निर्माण कार्य में जुटे चीनी नागरिकों पर हमले करते रहे हैं। वहां की सरकार के

लिए बलूच चरमपंथियों से निपटना बड़ी चुनौती बना हुआ है। अनेक मौकों पर वे बड़े हमले कर चुके हैं। इसके बावजूद पाकिस्तान आतंकवाद को लेकर अपनी स्पष्ट नीति बनाने को तैयार नहीं दिखता। वह भारत में तो आतंकी गतिविधियों को प्रश्रय देता है, पर अपने खिलाफ अपने ही यहां पनपे आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं कर पाता। इसीलिए भारत ने चीन और पाकिस्तान का नाम लिए बगैर स्पष्ट रूप से कहा कि आतंकवाद और विकास साथ-साथ नहीं चल सकते।

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति बहुत बदहाल है, उसी का लाभ उठा कर चीन उसे अपने पाले में खींचने में सफल हो गया। वह उसे वित्तीय सहयोग दे रहा है, मगर इतने भर से वहां विकास की बयार बह जाएगी, यह मानना सिर्फ खामखयाली ही होगी। चीन का मकसद सड़क, समुद्री और हवाई मार्गों के जरिए भारत को घेरना है। पाकिस्तान उसकी इस रणनीति में एक मोहरा मात्र है। अपना मकसद पूरा होने के बाद चीन कब उसका हाथ झटक कर अलग हो जाएगा, इसका पाकिस्तान को तनिक भी इल्म नहीं।

पाकिस्तान शुरू से भारत विरोध की चादर फैला कर अपनी बदहाली को ढकने का प्रयास करता रहा है। इस तरह काफी हद तक वह अपने अवाम का असल मसलों से ध्यान भटकाए रखने में कामयाब भी हुआ है। मगर वहां के लोग अब इस हकीकत को जान चुके हैं। चीन के साथ गलबहियां करके उसे लगता है कि भारत पर दबाव बनाए रखने में कामयाब होगा, मगर असलियत यह है कि वह खुद चीन के चंगुल में बुरी तरह कसता जा रहा है।

भारत के पड़ोसी देशों ने चीन की इस चाल को समझते हुए फिर से भारत के साथ नजदीकी बढ़ाने का प्रयास शुरू कर दिया है, मगर पाकिस्तान अलग-थलग पड़ता जा रहा है। जब तक वह आतंकवाद और चीन के चंगुल से मुक्त नहीं होता उसकी तरक्की के रास्ते बंद ही रहेंगे।

क्या 2025 में होगा दुनिया का अंत? बाबा वेंगा की भविष्यावाणियां!

भविष्य के बारे में हर कोई जानना चाहता है, मगर आगे क्या होने वाला है, कोई भी ये दावे से नहीं बता सकता. हालांकि, दुनिया में ऐसे कई भविष्य बताने वाले हुए, जिनके दावे समय-समय पर सच साबित हुए. इनमें से एक थीं बाबा वेंगा. उनकी भविष्यवाणियां बहुत फेमस हैं.

बुल्गारिया की बाबा वेंगा ने 12 साल की उम्र में अपनी आंखों की रोशनी खो दी थी. कहा जाता है कि अपनी दृष्टि खोने के बाद उनमें भविष्य देखने की शक्ति आ गई थी, जिसके बाद वो भविष्यवाणी करने लगी थीं. अपनी मौत से पहले, उन्होंने हर साल की घटनाओं की भविष्यवाणी की और उन्हें लिखा भी. उनकी बताई गई कई भविष्यवाणियां सच भी साबित हो चुकी हैं. बातें सच होने की वजह से दुनिया में कई लोगों का विश्वास उनकी भविष्यावाणियों पर बढ़ गया है. कुछ ही महीनों के बाद साल 2025 शुरू हो जाएगा.

जरा हट के

तो नए साल के शुरू होने से पहले हम आपको बता देते हैं कि बाबा वेंगा ने अगले साल के लिए क्या प्रमुख बातें बताई थीं. साल 2025 के लिए बाबा वेंगा ने जो भी भविष्यावाणियां बताई हैं, वो शुभ नहीं हैं. उन्होंने दावा किया था कि 2025 में दुनिया खत्म हो जाएगी. वैसे 2012 में भी ये भविष्यवाणी की गई थी कि दुनिया का अंत हो जाएगा, मगर ऐसा नहीं हुआ. हालांकि, बाबा वेंगा के अनुसार धरती से मानवता का अंत साल 5079 में होगा.

बाबा वंगा की भविष्यवाणी के मुताबिक 2025 में दुनिया बड़े युद्ध और संघर्षों को देखेगी. यूरोप में युद्ध छिड़ सकता है. इस युद्ध में यूरोपीय देशों को भारी नुकसान हो सकता है. 2025 के संघर्ष के कारण दुनिया की आबादी में बहुत गिरावट आएगी. बाबा वेंगा की भविष्यवाणी के मुताबिक तबाही इतनी ज्यादा हो जाएगी कि इंसानों को गुजारा करने के लिए नए संसाधनों की खोज करनी पड़ेगी. 2025 के बाद की भविष्यावाणियां भी काफी भयानक और हैरान करने वाली हैं. 2028 में इंसान शुक्र ग्रह पर पहुंच सकता है. इसके अलावा उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि 2033 में बर्फ का एक विशाल टुकड़ा पिघल जाएगे जिससे समुद्र का स्तर बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा. इससे सुनामी आएगी और लोग डूबेंगे.

दिवाली की शॉपिंग लिस्ट में जरूर शामिल कर लें ये चीजें

■त्यौहार के दिन नहीं आएगी कोई परेशानी

दीपावली का त्यौहार आने वाला है और लोग अभी से जोरों-शोरों से इसकी तैयारियों में जुट गए हैं। घर की साफ-सफाई से लेकर तरह-तरह की खरीददारी तक, दिवाली में करने को बहुत सी चीजें होती हैं। भला हों भी क्यों ना, आखिर दिवाली हिंदू धर्म का सबसे खास और सबसे बड़ा त्यौहार जो है। दीपावली के त्यौहार में आपकी कोई तैयारी अधूरी ना रह जाए इसलिए घर की सजावट से लेकर रिटर्न गिफ्ट तक, अभी से हर चीज की लिस्ट बनाकर तैयार कर लें। तो चलिए जानते हैं कि लिस्ट में क्या-क्या सामान आपको जरूर एड करना चाहिए, ताकि एंड वक्त पर कोई प्रॉब्लम ना हो।

■ लाइट्स और सजावट का सामान

दीपावली का त्योहार डेकोरेशन के बिना अधूरा है इसलिए शॉपिंग की लिस्ट में लाइट्स और डेकोरेटिव आइटम्स को सबसे पहले शामिल करें। घर के किस-किस हिस्से को लाइट्स से डेकोरेट करना है और वहां पर कितनी लाईटें लगेंगी, इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए लिस्ट तैयार करें। इसके अलावा डेकोरेशन के लिए जिन भी सामानों की जरूरत पड़ेगी उन सभी चीजों को भी लिस्ट में शामिल करें।

■ चादर, पर्दे और कवर

दीपावली के त्योहार पर अक्सर लोग अपने घर के हर कमरे के बेड पर नई चादरें बिछाते हैं। सोफे कवर और नए कुशन कवर खरीदे जाते

हैं। शॉपिंग लिस्ट में इन चीजों को भी शामिल करें। किन-किन कमरों के लिए आपको चादर खरीदनी है, कौन-कौन से नए कवर खरीदने हैं, इन सब चीजों को लिस्ट में शामिल करने से शॉपिंग के टाइम कोई भी कंफ्यूजन क्रिएट नहीं होगी।

■ घर के जरूरी सामानों की बनाएं लिस्ट

साज- सजावट के अलावा घर के जरूरी सामानों की लिस्ट अलग से तैयार करें। इस लिस्ट में किचन आइटम के साथ-साथ, अन्य जरूरी सामानों को शामिल करें। किचन में जिन चीजों को रिप्लेस करना है, उसे भी इस लिस्ट में एड करें। लास्ट मोमेंट की भाग दौड़ से बचने के लिए, घर की जो चीज खराब हो गई हैं, उनके बारे में भी अलग से लिस्ट तैयार कर के अभी से रिपेयरिंग का काम कर लें और जिन चीजों को रिप्लेस करना है उन्हें रिप्लेस कर लें।

■ गिफ्ट्स के लिए तैयार करें अलग लिस्ट

दिवाली में लोग एक दूसरे से मिलने के लिए उनके घर भी जाते हैं, इसके अलावा फैमिली भी एक साथ फेस्टिवल को सेलिब्रेट करने के लिए इकट्ठी होती है। ऐसे में त्यौहार की खुशियों में चार चांद लगाने के लिए, अभी से फैमिली एंड फ्रेंड* के लिए गिफ्ट की प्लानिंग कर लें। पर्सन टू पर्सन क्या गिफ्ट देना है, इसे डिसाइड करते हुए एक लिस्ट तैयार कर लें, जिससे लास्ट मोमेंट पर कोई भी कंफ्यूजन ना हो।

■ खुद की भी करें तैयारी

दीपावली के त्योहार पर लोग नए-नए कपड़े और ज्वैलरी पहनकर तैयार होते हैं। फेस्टिवल के मौके पर घर के किस सदस्य को कौन सा आउटफिट पहनना है, किसके लिए कपड़े और ज्वैलरी की कौन सी शॉपिंग करनी है, इसकी भी लिस्टिंग कर लें। जिससे शॉपिंग के समय किसी भी तरह की कोई प्रॉब्लम ना हो।

भुने अमरूद की चटनी

खाना-खजाना

खाने का स्वाद और भूख बढ़ाने के लिए लोग मौसम के अनुसार अलग-अलग तरह की चटनी बनाकर खाते हैं। गर्मियों में धनिया-पुदीना तो सर्दियों में अमरूद की चटनी खाने में बेहद टेस्टी लगती है। बाजार में अमरूद आ चुके हैं। ऐसे में अगर आप भी अमरूद से उसकी चटनी बनाकर तैयार करना चाहते हैं तो ट्राई करें ये आसान रेसिपी। इस चटनी को बनाने के लिए सबसे पहले अमरूद को रोस्ट किया जाता है। जो इस चटनी के स्वाद और खुशबू को बढ़ा देता है। तो आइए जान लेते हैं कैसे बनाई जाती है टेस्टी विंटर स्पेशल अमरूद की चटनी।

सामग्री

- 1 अमरूद
- 1 बारीक कटी हुई हरी मिर्च
- 1 इंच कटा हुआ अदरक
- एक मुट्ठी हरा धनिया
- 1/2 नींबू का रस
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा
- नमक स्वादानुसार
- पानी आवश्यकतानुसार

विधि :

भुने अमरूद की चटनी बनाने के लिए सबसे पहले अमरूद को

अच्छी तरह धो लें। उसके बाद अमरूद में चाकू डालकर उसे अच्छी तरह चाकू की मदद से पकड़ते हुए गैस की तेज आंच पर 4 मिनट तक घुमाते हुए भून लें। अमरूद को तब तक लगातार घुमाते हुए भूनें जब तक उसकी त्वचा काली न हो जाए। अमरूद के अच्छे से भुन जाने पर इसे ठंडा होने के लिए रख दें। अब अमरूद के भुने हुए काले छिलके को उतार कर इसे धोने के बाद अमरूद काटकर मिक्सी में हरी मिर्च, अदरक, हरा धनिया, नींबू का रस, जीरा, नमक और थोड़ा सा पानी डालकर चला दें। चटनी को पीसने के बाद उसे एक सर्विंग बाउल में निकाल लें। आपकी टेस्टी भुने हुए अमरूद की चटनी बनकर तैयार है।

स्लाइड विंडो के ट्रैक पर फंस गया है कचरा?

- बंद नहीं हो रहा दरवाजा?
- क्लीन करने का जानें सही तरीका
- फॉलो करें स्टेप

मॉडन बिल्डिंग और हाउस में स्लाइडिंग विंडो या दरवाजे का चलन काफी बढ़ गया है. ये दिखने में तो खूबसूरत लगता ही है, कमरे में जगह और रोशनी, दोनों को बढ़ाने का भी काम करता है. इन्हें मेंटेन करना भी आसान होता है. हालांकि, इनके ट्रैक पर बड़ी आसानी से धूल, मिट्टी और कचरा जमा हो जाता है. अगर इसे समय-समय पर न निकाला जाए, तो दरवाजे या खिड़कियां सही से बंद नहीं हो पाती, और यह आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है. लेकिन चिंता मत कीजिए, यहां हम आपको बता रहे हैं कि आप इसे स्टेप बाई स्टेप किस तरह साफ कर सकते हैं.

इस तरह करें सफाई

- सबसे पहले आपको एक पुराना टूथब्रश चाहिए. इस ब्रश की मदद से आप विंडो के हर ट्रैक पर जमा धूल मिट्टी को अच्छी तरह से रगड़ लें. इस बात का ध्यान रखें कि हर कोने पर जमा कचरा अच्छी तरह निकल जाए.
- अब अब वैक्यूम क्लीनर के ब्रश की मदद से इसे वैक्यूम कर लें. अगर आपके पास वैक्यूम क्लीनर नहीं है तो आप हेयर ब्लोअर की मदद से भी इन कचरों को बाहर निकाल सकते हैं.
- अब आप एक स्प्रे बोतल में एक कप पानी, आधा कप विनेगर और एक चम्मच बेकिंग सोड़ा मिलाएं और इस पर अच्छी तरह स्प्रे करें. आप किसी भी तरह का ऑल पर्पस क्लीनर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं.
- 3 से 4 मिनट के बाद आप एक सॉफ्ट माइक्रोफाइबर क्लॉथ की मदद से इसे अच्छी तरह से वाइप कर दें. विंटो ट्रैक चमक उठेगा. यह तरीका काफी आसान है और काफी कम समय में ही आपके विंडो का नया सा बना देगा. आप हर सप्ताह या हर महीने इस तरह सफाई कर सकते हैं. यही नहीं, दिवाली की सफाई भी आप इस तरह कर सकते हैं.

घी या मावा नहीं, गुड़ में भी हो सकती है मिलावट

- 4 तरह से घर पर करें इसकी शुद्धता की जांच
- बच जाएंगे जहर खाने से

आजकल मिलावट की समस्या हर खाने-पीने की चीज में बढ़ती जा रही है. फिर वह घी तेल हो, मिठाइयां हों या गुड़. दुकानदार मुनाफा कमाने के लिए इन सब चीजों में मिलावट कर रहे हैं. आमतौर पर हम गुड़ को सेहतमंद समझते हैं और इसे यह सोचकर डाइट में शामिल करते हैं कि ये हमारे हेल्थ को फायदा पहुंचाएगा, लेकिन मिलावटी गुड़ सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है. दरअसल, बाजार में बिकने वाला गुड़ कई बार केमिकल्स या सस्ती चीनी से तैयार किया जाता है, जिससे यह स्वाद में तो मीठा होता है, लेकिन इसकी शुद्धता पर सवाल खड़े हो जाते हैं. इसलिए गुड़ खरीदने से पहले उसकी शुद्धता की जांच कर लेना बहुत जरूरी होता है. यहां आसान तरीके बता रहे हैं, जिनसे आप घर पर ही गुड़ की मिलावट का पता लगा सकते हैं और बीमारियों से बच सकते हैं.

■ मिलावटी गुड़ की ऐसे करें पहचान–

पानी में डालकर करें टेस्ट– सबसे पहले आप एक गिलास में पानी लें और उसमें गुड़ का छोटा टुकड़ा डालें. शुद्ध गुड़ पानी में पूरी तरह से

घुल जाएगा, लेकिन मिलावटी गुड़ नीचे बैठ जाएगा.

चटख रंग से पहचानें– जो गुड़ शुद्ध होता है उसका रंग गहरा भूरा या हल्का पीला होता है. जबकि मिलावटी गुड़ का रंग चमकदार और गहरा पीला हो सकता है. इसलिए अगर गुड़ का रंग बहुत ब्राइट हो तो जरा संभल कर इसे खरीदें.

स्वाद में कड़वाहट– शुद्ध गुड़ मीठा और नेचुरल होता है, जबकि मिलावटी गुड़ का स्वाद कभी-कभी कड़वा या अजीब हो सकता है. इसलिए खरीदने से पहले इसे चख लें और अगर यह अजीब लगे तो खरीदने से बचें.

चिपचिपा या गीला गुड़– चिपचिपा या बहुत गीले गुड़ में मिलावट की संभावना अधिक होती है. इसलिए बेहतर होगा कि आप सख्त गुड ही लें. इन आसान तरीकों से आप घर पर गुड़ की शुद्धता की जांच कर सकते हैं.

आज का राशिफल

मेष : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में तरक्की के योग हैं। व्यापार की गति बढ़ेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

वृषभ : कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी विशेष क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी। प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी।

मिथुन : धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क : बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे बाद में पछताना पड़े।

सिंह : कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा। सभी काम पूर्ण होंगे।

कन्या : रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। झंझटों से दूर रहें।

तुला : किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृश्चिक : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। बेवजह विवाद की स्थिति बन सकती है। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं लें, लाभ होगा।

धनु : जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी।

मकर : किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। थकान व कमजोरी महसूस होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कुंभ : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। बेरोजगारी दूर होगी। अचानक कहीं से लाभ के आसार नजर आ सकते हैं। बड़ी समस्या से निजात मिलेगी।

मीन : आंखों को चोट व रोग से बचाएं। कीमती वस्तु गुम हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें। नकारात्मकता रहेगी। अकारण क्रोध होगा। फालतू खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

जिस वाहन पर बैठे थे उसी से कुचलकर दो बच्चियों समेत चार की मौत, दर्दनाक हादसा

मथुरा. मथुरा में गरुवार को दर्दनाक सड़क हादसे में दो बच्चियों समेत चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। सभी उसी वाहन से कुचल गए जिस पर बैठे थे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना कोसीकलां थाना क्षेत्र के कोसी शेरगढ़ रोड पर नगरिया सतबीसा के पास हुई। बताया जाता है कि मजदूरों को ले जा रहे पिकअप ट्रक के बिजली के खंभे से टकरा जाने से तार टूट गया और इसी के बाद हादसा हो गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शैलेश कुमार पांडे ने बताया, वाहन पर से कूदने के बाद ही चालक ने वाहन को बैक कर दिया। इससे सभी लोग उसकी चपेट में आ गए। चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

करवाचौथ पर 50 हजार नहीं मिले तो पत्नी ने खोया आपा, पति का सिर फोड़ किया लहूलुहान

बरेली. बरेली में पति-पत्नी के बीच हुए झगड़े का अनोखा मामला सामने आया है। एक पत्नी ने अपने पति को इसलिए पीट दिया क्योंकि पति ने करवाचौथ के लिए कुछ खरीदने के लिए पत्नी को पैसे नहीं दिए। नाराज पत्नी ने ऐसे में पति का सिर फोड़ दिया। मामला पुलिस तक पहुंच गया। करवाचौथ पर खरीदारी के लिए पति ने 50 हजार रुपये नहीं दिए तो पत्नी ने अपना आपा खो दिया। उसने ईंट मारकर पति का सिर फोड़ दिया। घायल पति रात में जिला अस्पताल पहुंचा और उसका उपचार हुआ। पति ने देर रात इज्जतनगर थाने में तहरीर देकर पत्नी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मामला बरेली के अहलादपुर का है।

जमीन में दबे शव को खींच रहे थे कुत्ते, बाहर निकाला तो पता चला भाइयों न मारकर गाड़ा

बदायूं. बदायूं के आसफपुर में ननिहाल लाकर ममेरे भाइयों ने युवक की हत्या कर पहचान छिपाने की नीयत से शव को अपने ही खेत में गड्ढा खोदकर उसे मुंह के बल गाड़ दिया गया। घटना की जानकारी तब हुई जब खेत में गड्ढे से शव को जंगली जानवर ने खींचना शुरू किया तो सिर व हाथ बाहर निकल आए। तब गांव के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद बाद शव को पुलिस ने गड्ढे से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की हत्या क्यों की गई, यह अभी तक साफ नहीं हो सके। पुलिस ने मृतक के भाई की रिपोर्ट में ममेरे दो भाइयों पर मुकदमा दर्ज किया है। हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग की चर्चा है। मुरादाबाद के कुंदरकी थाना क्षेत्र के ग्राम नानकपुर निवासी आकाश 21 वर्ष अक्सर अपनी ननिहाल थाना फैजगंज बेहटा के ग्राम बसौमी में आता था। परिजनों के अनुसार शनिवार को बसौमी निवासी उसके ममेरे भाई पान सिंह, चोखेलाल और नेम सिंह नागपुर पहुंचे और आकाश को साथ लेकर चले गए। दो दिन बाद जब परिजनों ने आकाश के फोन पर कॉल की तो फोन नहीं लगा।

नायब सैनी ने ली CM की शपथ

- दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री बने
- अनिल विज, राव नरबीर और अरविंद शर्मा समेत कुल 14 चेहरे

चंडीगढ़. हरियाणा में नायब सैनी ने दूसरी बार CM पद की शपथ ले ली है। सैनी राज्य के 19वें मुख्यमंत्री बने। हालांकि मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने वाले वे 11वें नेता हैं। शपथ ग्रहण समारोह पंचकूला के दशहरा ग्राउंड में हुआ।

इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पीएम नरेंद्र मोदी शामिल हुए। शपथ ग्रहण में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी और राजनाथ सिंह के साथ 18 राज्यों के CM व डिप्टी CM भी पहुंचे थे। CM सैनी के साथ 13 मंत्रियों ने शपथ ली। जिनमें सबसे ज्यादा 5 चेहरे ओबीसी वर्ग से हैं। जाट, ब्राह्मण और SC वर्ग से 2-2 मंत्री बनाए गए हैं। इसके अलावा पंजाबी, राजपूत और वैश्य बिरादरी से एक-एक मंत्री बनाया गया है।

नए बनाए मंत्रियों में अनिल विज, कृष्णलाल पंवार, राव नरबीर, महिपाल ढांडा, विपुल गोयल और कृष्ण बेदी पहले मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा रणबीर गंगवा पिछली BJP सरकार में डिप्टी स्पीकर थे। नए चेहरों में अरविंद शर्मा, श्याम सिंह राणा, आरती राव, श्रुति चौधरी और गौरव गौतम पहली बार मंत्री बने हैं। भाजपा ने हरियाणा में UP, राजस्थान और मध्यप्रदेश की तरह डिप्टी CM बनाने का फॉर्मूला नहीं अपनाया।

इसके अलावा ब्राह्मण समुदाय से भी अरविंद शर्मा और गौरव गौतम को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है। वह सोनीपत जिले की गोहाना सीट से जीते हैं, जहां की जलेबी राहुल गांधी के भाषण के बाद चर्चा में थी। वहीं अनिल विज और घनश्याम दास अरोड़ा पंजाबी चेहरे के तौर पर शामिल किए गए हैं। वह मनोहर लाल खट्टर सरकार के दौर में होम मिनिस्टर थे। इस बार देखना होगा कि उन्हें कौन सा विभाग दिया जाता है। राजपूत बिरादरी से श्याम सिंह राणा भी कैबिनेट का हिस्सा बने हैं। वहीं जाट बिरादरी से महीपाल ढांडा और श्रुति चौधरी भी मंत्री बने हैं। श्रुति चौधरी लंबे समय तक कांग्रेस में रहीं किरण चौधरी की बेटी हैं। दोनों ने हाल में ही भाजपा का दामन थामा था।

मंच पर एनडीए नेताओं का जमावड़ा, हरियाणा से शक्ति प्रदर्शन

इस बीच मंच पर एनडीए नेताओं का जमावड़ा दिख रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी के अलावा देश के कुल 19 राज्यों के सीएम पहुंचे हैं तो वहीं भाजपा एवं सहयोगी दलों द्वारा शासित राज्यों के 16 डिप्टी सीएम भी आए हैं। फिलहाल मंच पर एकनाथ शिंदे, मोहन यादव, अमित शाह, राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी जैसे नेता दिख रहे हैं। इसके अलावा यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, असम के हिमंत बिस्वा सरमा, गोवा के प्रमोद सावंत समेत कई और नेता मौजूद हैं।

मोटिवेशनल स्पीकर मुनव्वर जमा के खिलाफ FIR

हैदराबाद. सिकंदराबाद के कुम्मारिगुडा में मुथ्यालम्मा मंदिर में हुई तोड़फोड़ की घटना के बाद हैदराबाद पुलिस ने मुंबई के लोकप्रिय इंफ्लूएंसर मुनव्वर जमा और दो अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इन लोगों पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और नफरत फैलाने का आरोप लगा है। दो अन्य लोगों में अब्दुल रशीद बशीर अहमद और रहमान का नाम शामिल है। ये दोनों रेजिमेंटल बाजार में मेट्रोपोलिस होटल के मालिक और प्रबंधक हैं। पुलिस ने कहा कि वे एक महीने तक चलने वाले इस कार्यशाला के आयोजन की आड़ में हिंदुओं के प्रति नफरत भड़काया गया। पुलिस के अनुसार भारत के विभिन्न हिस्सों से 151 लोग आए थे। उनमें सलमान सलीम ठाकुर उर्फ सलमान भी शामिल था, जिसने 14 अक्टूबर को मंदिर में घुसकर एक स्थानीय देवता की मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया।

असम में अप्रवासियों को नागरिकता देने वाला कानून वैध

- CJI बोले- यह राजनीतिक समाधान था, जो कानून बना
- जस्टिस सूर्यकांत बोले- जियो और जीने दो

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सिटिजनशिप एक्ट की धारा 6A की वैधता को बरकरार रखा है। CJI डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली 5 जजों की कॉन्स्टिट्यूशन बेंच ने इस पर गुरुवार को फैसला सुनाया। बेंच में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल थे। फैसले पर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ सहित चार जजों ने सहमति जताई है। वहीं जस्टिस जेबी पारदीवाला ने असहमति जताई।

दरअसल, सिटिजनशिप एक्ट की धारा 6A को 1985 में असम समझौते के दौरान जोड़ा गया था। इस कानून के तहत जो बांग्लादेशी अप्रवासी 1 जनवरी 1966 से 25 मार्च 1971 तक असम आए हैं वो

भारतीय नागरिक के तौर पर खुद को रजिस्टर करा सकते हैं। हालांकि 25 मार्च 1971 के बाद असम आने वाले विदेशी भारतीय नागरिकता के लायक नहीं हैं।

इस कानून पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- हमने धारा 6A की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा है। हम किसी को अपने पड़ोसी चुनने की अनुमति नहीं दे सकते और यह उनके भाईचारे के सिद्धांत के खिलाफ है। हमारा सिद्धांत है जियो और जीने दो।

संतुष्ट हैं हम; भारत की मदद से गदगद US

- खालिस्तानी पन्नू केस में जमकर की तारीफ

खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश के मामले में अमेरिका भारत की जांच से संतुष्ट नजर आ रहा है। साथ ही अमेरिका ने साफ किया है कि इस साजिश में कथित तौर पर शामिल व्यक्ति अब भारत सरकार का कर्मचारी नहीं है। हाल ही में अमेरिका आए भारतीय अधिकारियों की एक टीम ने यहां विदेश मंत्रालय और विधि मंत्रालय के अधिकारियों के साथ इस मामले को लेकर मुलाकात की थी।

अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि पन्नू की हत्या की साजिश के मामले में कथित तौर पर शामिल व्यक्ति अब भारत सरकार के लिए काम नहीं करता है। उन्होंने कहा, 'हमने जांच समिति के सदस्यों को अमेरिकी तरफ से की जा रही जांच की जानकारी दी है। साथ ही हमें उनकी तरफ से भी जांच संबंधी जानकारियां मिली हैं। यह मीटिंग अच्छी रही।'

मिलर ने कहा, 'उन्होंने हमें बताया है कि न्याय विभाग की तरफ से नामित व्यक्ति अब भारत सरकार का कर्मचारी नहीं है।' उन्होंने कहा, 'हम सहयोग से संतुष्ट हैं। यह प्रक्रिया अभी चल रही है। हम इसे लेकर उनके साथ काम करना जारी रखेंगे, लेकिन हम सहयोग और जांच के बारे में हमें अपडेट करने लिए उनकी सराहना करते हैं।'

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने पर जल्द होगी सुनवाई

- सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की मांग करने वाली याचिका पर विचार करने की सहमति दे दी है। गुरूवार को सुप्रीम कोर्ट में किए गए एक आवेदन में जम्मू-कश्मीर को दो महीने के अंदर राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग वाली याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की गई थी। आवेदकों का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने भारत के मुख्य न्यायाधीश धनंजय वाई चंद्रचूड़ के सामने मामले को उठाया और तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया। उन्होंने इस बात पर जोर

दिया कि यह प्रक्रिया जल्द से जल्द होनी चाहिए जिस पर मुख्य न्यायाधीश ने विचार करने पर सहमति जताई है।

यह आवेदन संविधान के अनुच्छेद 370 के संबंध में दायर किया गया है। दिसंबर 2023 में पांच जजों की पीठ ने सर्वसम्मति से केंद्र सरकार के अगस्त 2019 के फैसले का समर्थन किया था जिसमें जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया था। सीजेआई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने अपने फैसले में कहा था कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करना जम्मू-कश्मीर के भारत देश में एकीकरण की प्रक्रिया है। कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को राष्ट्रपति की शक्ति का पूरी तरह से वैध है और अनुच्छेद 370 हमेशा एक अस्थायी प्रावधान था। फैसले में चुनाव आयोग को 30 सितंबर 2024 तक जम्मू-कश्मीर विधानसभा के लिए चुनाव कराने का निर्देश दिया गया था और केंद्र से कहा गया था कि वह जितनी जल्दी हो सके जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दे।

संजीव खन्ना होंगे सुप्रीम कोर्ट के अगले मुख्य न्यायाधीश

- CJI चंद्रचूड़ ने केंद्र सरकार को भेजा नाम

नई दिल्ली. 10 नवंबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ अपने पद से रिटायर हो रहे हैं। देश के अगले चीफ जस्टिस के लिए उन्होंने जस्टिस संजीव खन्ना का नाम केंद्र सरकार को भेज दिया है। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति आमतौर पर वरिष्ठता के सिद्धांत के अनुसार ही की जाती है।

सीजेआई सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के प्रमुख होते हैं, जो सुप्रीम कोर्ट और देश के विभिन्न हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति की सिफारिश करता है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ 2 साल तक पद पर

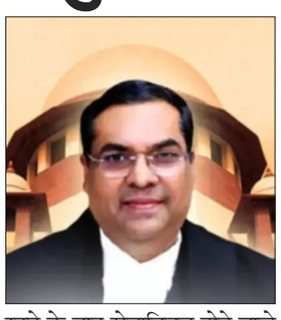

रहने के बाद सेवानिवृत्त होने वाले हैं। अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले उन्होंने अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश कर दी है।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना 11 नवंबर 2024 को 6 महीने के कार्यकाल के लिए मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे। वह 13 मई 2025 तक अपने पद पर बने रहेंगे। इसके बाद वह रिटार हो जाएंगे। जनवरी 2019 में उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से सर्वोच्च न्यायालय में प्रमोट किया गया था। वे वर्तमान में कंपनी कानून, मध्यस्थता, सेवा कानून, समुद्री कानून, नागरिक कानून और वाणिज्यिक कानून सहित अन्य के लिए रोस्टर पर हैं।

अपने साढ़े चार साल के कार्यकाल में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना 358 पीठों का हिस्सा रहे हैं और 90 से अधिक निर्णय दिए हैं। 2023 में उन्होंने शिल्पा शैलेश में संविधान पीठ का फैसला सुनाया था। यूओआई बनाम यूसीसी में वे उस बेंच का हिस्सा थे जिसने भोपाल गैस त्रासदी पीड़ितों के लिए अतिरिक्त मुआवजे की मांग करने वाली याचिका पर फैसला सुनाया था।

मुंबई से लंदन जा रहे विमान को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई से लंदन जा रहे एयर इंडिया के एक विमान में बम की धमकी मिलने के बाद विमान में इमरजेंसी अलर्ट जारी किया गया। लैंडिंग से एक घंटे पहले मिली बम की धमकी से हड़कंप मच गया। विमान को लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर दोपहर 12:05 बजे (यूके समयानुसार) उतरना था, लेकिन विमान काफी देर तक लंदन के ऊपर चक्कर लगाता रहा। आज एयर इंडिया की पांच उड़ानों, विस्तारा की दो और इंडिगो की दो उड़ानों में बम की धमकी मिल चुकी है। इससे पहले तीन दिनों के भीतर विमानों में बम की धमकी के 19 मामले सामने आए थे।

रेलवे ने बदल दिया टिकट रिजर्वेशन नियम

- अब 60 दिन पहले करवा सकेंगे रेल टिकट बुक

नई दिल्ली. यात्रियों की सुगम यात्रा के लिए भारतीय रेलवे समय-समय पर कदम उठाता रहता है। अब रेलवे ने टिकट रिजर्वेशन को लेकर बड़ा फैसला लिया है। रेल से सफर करने वाले यात्री अब केवल 60 दिन पहले तक ही टिकट बुक कर सकेंगे। आगामी एक नवंबर से रेल मंत्रालय द्वारा यह व्यवस्था शुरू की जा रही है। अभी रेल यात्री 120 दिन पहले रेलगाड़ी की टिकट बुक कर सकते हैं। गुरुवार को रेल मंत्रालय की तरफ से यह आदेश

जारी किया गया है।

रेलवे मंत्रालय की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि आरक्षित टिकट लेने के लिए अभी यात्री 120 दिन पहले बुकिंग करते हैं, लेकिन आगामी 1 नवंबर से इसमें बदलाव किया जा रहा है और इस अवधि को घटाकर 60 दिन किया जा रहा है। इसका असर 31 अक्टूबर तक बुक की जाने वाली टिकटों पर नहीं पड़ेगा और यात्री 120 दिन पहले टिकट ले सकेंगे। यात्री उन टिकटों को भी कैंसल कर सकेंगे जिनके जाने में 60 दिन से अधिक समय बचा हुआ है।

दिन के समय चलने वाली गाड़ियां जैसे ताज एक्सप्रेस, गोमती एक्सप्रेस आदि पर इस नियम का कोई असर नहीं पड़ेगा। उनमें पहले की तरह ही समय सीमा जारी रहेगी। इसके अलावा फॉरेन टूरिस्ट्स गाड़ियों पर भी इस आदेश का असर नहीं होगा। उनमें 365 दिन पहले बुकिंग की जा सकती है।

आपने बुक कर लिया है टिकट तो क्या होगा असर?

दिवाली-छठ जैसे त्योहारों की वजह से कई लोगों ने रिजर्वेशन शुरू होते ही अपने टिकट बुक करवा लिए होंगे। अगर आप भी इसी लिस्ट में हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। दरअसल, रेलवे के इस फैसले का असर 31 अक्टूबर तक बुक होने वाले टिकटों पर नहीं पड़ेगा। यानी कि इस महीने के आखिरी तक चार महीने तक के टिकट बुक करवाए जा सकेंगे, लेकिन एक नवंबर से सिर्फ 60 दिनों तक के ही टिकट बुक हो सकेंगे।

99 रुपये में मिलेगी शराब की बोतल

- ब्रांड जो भी चाहो
- नई नीति में ऐलान

आंध्र प्रदेश में नई शराब नीति लागू हो गई है। चंद्रबाबू नायडू की सरकार ने कहा है कि अपनी नई शराब नीति के तहत 180 मिलीलीटर की बोतल सिर्फ 99 रुपये में बेचेगी। इसके अलावा और भी कई फैसले किए गए हैं। नई शराब नीति के तहत लॉटरी में दुकानें जीतने वालों ने बिक्री शुरू कर दी है। हालांकि नई शराब दुकानों के लिए एक बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। अगर कुछ लोगों को दुकानें मिल भी जाती हैं तो

मालिक भारी अग्रिम राशि और किराया मांग रहे हैं। यही कारण है कि पहले दिन केवल कुछ ही दुकानें उपलब्ध थीं।

इसके अलावा, शराब की दुकानें स्कूलों और मंदिरों से दूर स्थापित करने के नियम हैं। नई शराब नीति के प्रावधानों के मुताबिक दुकानों की व्यवस्था की जांच के बाद ही दो साल के लिए स्थायी परमिट दिया जाता है। ये शराब की दुकानें सरकारी और निजी स्कूलों और कॉलेजों से 100 मीटर से अधिक दूरी पर होनी चाहिए। इसके अलावा, राज्य सरकार द्वारा चिह्नित मंदिरों, मस्जिदों और चर्चों के सौ मीटर के भीतर शराब की दुकानें होनी चाहिए। इस नियम की वजह से कुछ लोगों के लिए दुकानें ढूंढना थोड़ा मुश्किल हो गया है।

शराब की दुकानों पर कोई आपत्ति नहीं है भले ही राष्ट्रीय और राज्य राजमार्ग शहर और नगर निगम के अधिकार क्षेत्र से गुजरते हों। हालांकि, यदि राष्ट्रीय और राज्य राजमार्ग 20,000 से कम आबादी वाले गांवों से होकर गुजरते हैं, तो दुकानें 220 मीटर की दूरी पर रखने का नियम है। साथ ही सरकार ने यह नियम भी लागू कर दिया है कि 20,000 से अधिक आबादी वाले गांवों में शराब की दुकानें राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों से 500 मीटर की दूरी पर स्थापित की जाएंगी।

मौत की सजा पाए व्यक्ति को सुप्रीम कोर्ट ने कर दिया बरी

सुप्रीम कोर्ट ने मौत की सजा पाए एक कैदी को बृहस्पतिवार को बरी कर दिया। इस व्यक्ति पर अपनी बच्ची समेत परिवार के सदस्यों की हत्या करने का आरोप था। अदालत ने कहा कि किसी आरोपी को केवल संदेह के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने दोषी के पड़ोसी की गवाही को खारिज कर दिया। पड़ोसी ने कहा था कि दोषी और उसके परिवार के सदस्यों मां और पत्नी के बीच कथित तौर पर झगड़े होते थे।

भारत-न्यूजीलैंड पहला टेस्ट इंडिया 46 रन पर ऑलआउट

- घरेलू पिच पर सबसे छोटा स्कोर
- कीवी टीम की बढ़त 50 पार

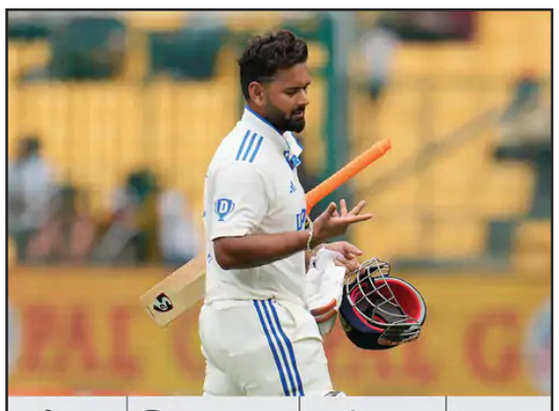

स्कोर	खिलाफ	कहां	साल
36	ऑस्ट्रेलिया	एडिलेड	2020
42	इंग्लैंड	लॉर्ड्स	1974
46	न्यूजीलैंड	बेंगलुरु	2024
58	ऑस्ट्रेलिया	ब्रिसबेन	1947
58	इंग्लैंड	मैनचेस्टर	1952

- पहले दिन का खेल बारिश से धुला

बेंगलुरु टेस्ट के दूसरे दिन न्यूजीलैंड ने टीम इंडिया की पहली पारी को 46 रन पर समेट दिया। यह भारत का घरेलू मैदान पर सबसे छोटा स्कोर है। टीम 1987 में वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली टेस्ट में 75 रन पर ऑलआउट हो गई थी। कीवी टीम पहली पारी में मजबूत नजर आ रही है। उसका स्कोर 110/1 है। कीवी टीम ने 50 रन से ज्यादा की बढ़त बना ली है। डेवोन कॉन्वे और विल यंग क्रीज पर हैं। कॉन्वे हाफ सेंचुरी पूरी कर चुके हैं। टॉम लैथम (15 रन) बनाकर आउट हुए। उन्हें कुलदीप यादव ने LBW किया।

बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुरुवार को भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी थी। बारिश की वजह से मैच शुरू नहीं हो पाया था। आज सुबह जब मैच शुरू हुआ तो न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ने रोहित के फैसले को गलत साबित कर दिया। स्विंग और उछाल भरी पिच में भारतीय बैटर्स पैर जमाने में नाकाम रहे।

ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 20 रन बनाए, जबकि यशस्वी जायसवाल ने 13 रन ही बना सके। कप्तान रोहित शर्मा (2 रन) को टिम साउदी ने बोल्ड किया। विराट कोहली, सरफराज खान, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन खाता भी नहीं खोल सके। मैट हेनरी ने 5 विकेट झटके, जबकि विलियम ओरुर्के को 4 विकेट मिले।

दुनियाभर में दिखाई दिया सुपरमून

- चांद आकार में 14% बड़ा और 30% ज्यादा चमकीला नजर आया

नई दिल्ली. दुनियाभर में गुरूवार को सुपरमून दिखाई दिया। इस दौरान चंद्रमा का आकार सामान्य से 14% बड़ा दिखाई दिया। चांद 30% ज्यादा चमकीला भी नजर आया।

सुपरमून तब होता है, जब पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी सबसे कम हो जाती है। इस वजह से चांद ज्यादा बड़ा और चमकीला दिखाई देता है। इस सुपरमून को देखने पर ऐसा लगा जैसे यह पृथ्वी के करीब आ रहा है।

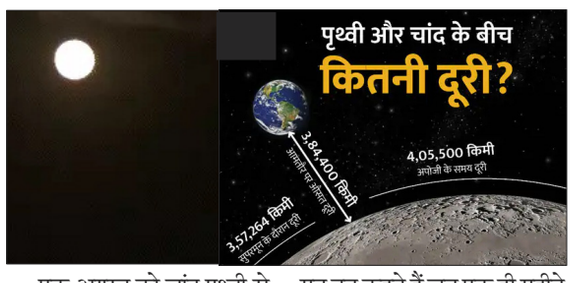

एक अगस्त को चांद पृथ्वी से 3,57,264 किलोमीटर दूर रहा। जबकि आमतौर पर यह सबसे दूर 4,05,000 किलोमीटर और सबसे करीब 3,63,104 किलोमीटर दूर होता है।

पिछले साल 30 अगस्त की रात को भी सुपरमून था जिसे ब्लूमून कहा जाएगा। चांद को ब्लू मून तब कहते हैं जब एक ही महीने में 2 सुपरमून नजर आते हैं। आखिरी बार 2 सुपरमून एक साथ अगस्त के महीने में साल 2018 में नजर आए थे और अगली बार ऐसा साल 2027 में होगा।

यह होता है सुपरमून

सुपरमून एक ऐसी खगोलीय घटना है, जिसमें चांद अपने सामान्य आकार से ज्यादा बड़ा दिखाई देता है। सुपरमून हर साल तीन से चार बार देखा जाता है।

सुपरमून दिखने की वजह भी काफी दिलचस्प है। दरअसल, इस दौरान चांद धरती का चक्कर लगाते-लगाते उसकी कक्षा के बेहद करीब आ जाता है। इस स्थिति को पेरिजी कहा जाता है। वहीं, चांद के धरती से दूर जाने पर उसे अपोजी (Apogee) कहते हैं। एस्ट्रोलॉजर रिचर्ड नोल ने पहली बार 1979 में सुपरमून शब्द का इस्तेमाल किया था।

हर 27 दिन में चांद पृथ्वी का एक चक्कर पूरा कर लेता है। 29.5 दिन में एक बार पूर्णिमा भी आती है। हर पूर्णिमा को सुपरमून नहीं होता, पर हर सुपरमून पूर्णिमा को ही होता है। चांद पृथ्वी के आसपास अंडाकार रेखा में चक्कर लगाता है, इसलिए पृथ्वी और चांद के बीच की दूरी हर दिन बदलती रहती है।

जुलाई में नजर आने वाले सुपरमून को बक मून भी कहा जाता है। हिंदी में बक का मतलब वयस्क नर हिरण होता है। ऐसा साल के उस समय के संदर्भ में कहा जाता है, जब हिरणों के नए सींग उगते हैं। वहीं, कुछ जगहों में जुलाई के सुपरमून को थंडर मून भी कहा जाता है, क्योंकि इस महीने में बादल गरजना और बिजली कड़कना आम बात है।

संक्षेप...

तड़ीपार आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी. पुलिस उपायुक्त क्षेत्र में कई आपराधिक घटनाओं में शामिल नारपोली भंडारी कंपाउंड निवासी असलम उर्फ मोनू सलीम अंसारी (20) को भिवंडी पुलिस उपायुक्त के आदेश पर 20 अगस्त 2024 से दो वर्षों के लिए भिवंडी, ठाणे, पालघर, मुंबई और उपनगरीय मुंबई से तड़ीपार किया गया था. असलम उर्फ मोनू सलीम अंसारी ने किसी पुलिस अधिकारी से शहर में प्रवेश की अनुमति नहीं ली और अवैध रूप से भिवंडी में घूमता पाया गया. सूचना के बाद ही नारपोली पुलिस ने उसे धामणकर नाका के पास बिरजू पाव भाजी वाली गली से गिरफ्तार कर लिया.

महाविकास आघाड़ी की मीटिंग में सीट शेयरिंग पर चर्चा

मुंबई की 33 सीटों पर बनी सहमति

मुंबई. महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं. एमवीए नेताओं की सीट बंटवारे को लेकर बांद्रा के सोफिटेल होटल में बैठक शुरू हुई. इस मीटिंग में संजय राउत, नाना पटोले, विजय वडेट्टीवार, जितेंद्र अव्हाड, राजेश टोपे और सतेज पाटिल शामिल हुए. सूत्रों के मुताबिक, मुंबई की 36 में से 33 सीटों पर सहमति बन चुकी है. 15 कांग्रेस, 18 ठाकरे शिवसेना (UBT), 2 एनसीपी (SP) और 1 सीट समाजवादी पार्टी देने का फैसला लिया गया है. इसके अलावा तीन सीटें- कुर्ला, भायखला और

अणुशक्ति नगर पर अभी पेच फंसा हुआ है.

विधानसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने कहा, MVA में 216 सीटों पर चर्चा हो चुकी है. बाकी बची 66 सीटों पर आज चर्चा होगी. उम्मीद है आज शाम तक या कल एमवीए सीट शेयरिंग का ऐलान हो जाएगा.

विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की पहली लिस्ट 20 अक्टूबर को जारी होगी. कल 84 सीटों पर स्क्रीनिंग हुई है. 20 अक्टूबर को CEC की मीटिंग होगी और उसी दिन उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया जाएगा.

सुर्खियों में अबू आसिम आजमी का बयान

एमवीए की मीटिंग से पहले समाजवादी पार्टी की महाराष्ट्र यूनिट के चीफ अबू आसिम आजमी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, महाराष्ट्र में अगर महाविकास अघाड़ी का कोई भी पक्ष चाहे वो कांग्रेस हो, राष्ट्रवादी कांग्रेस (SP) या शिवसेना (UBT) हो, वो बिना समाजवादी पार्टी से बात किए या बिना विश्वास में लेते हुए विधानसभा के उम्मीदवारों की सूचि जारी करते हैं, तो इसका मतलब है की वह समाजवादी पार्टी को महाविकास अघाड़ी का हिस्सा नहीं मानते.

सलमान खान को मारने की 25 लाख में थी सुपारी

■ नाबालिग लड़कों को मिला था काम: चार्जशीट

मुंबई. बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की हत्या की साजिश रचने के मामले में पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की है। पुलिस ने गुरुवार को दावा किया कि सलमान खान को महाराष्ट्र के पनवेल स्थित उनके फार्महाउस के पास मारने की साजिश रची गई थी। इसके लिए 25 लाख रुपये में कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था। यह सुपारी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने दी थी। इस केस में पुलिस ने 5 लोगों के नाम चार्जशीट दाखिल की है। पुलिस का कहना है कि आरोपी घटना को अंजाम देने के लिए एके-47, एके-92 और एम-16 जैसे खतरनाक हथियार पाकिस्तान से लेने की तैयारी में थे।

इसके अलावा तुर्की मेड जिगना पिस्तौल भी इन लोगों के पास थी, जिसका इस्तेमाल पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के मर्डर में किया गया था। पुलिस का कहना है कि इस मामले में आरोपी ने 18 साल से भी कम के कई लड़कों को हायर किया था। ये लोग पुणे, रायगड़, नवी मुंबई, ठाणे और गुजरात में छिपे हैं। पुलिस ने दावा किया है कि सलमान खान पर 60 से 70 लोग नजर रख रहे थे। बांद्रा हाउस, पनवेल फार्म हाउस से लेकर गोरेगांव फिल्म सिटी तक में उनकी मूवमेंट पर नजर रखी जा रही थी। चार्जशीट के अनुसार सलमान खान की हत्या की साजिश अगस्त 2023 से अप्रैल 2024 के दौरान रची गई।

इस केस में गुरुवार को ही पुलिस ने इस केस में सुक्खा को पानीपत से अरेस्ट किया है, जो लॉरेंस बिश्नोई गैंग का शूटर बताया जा रहा है। उसने ही शूटर अजय कश्यप उर्फ एके और 4 अन्य लोगों को सलमान खान को मारने की सुपारी दी थी। इसके बाद कश्यप और उसकी टीम ने सलमान खान की रेकी की थी। इन लोगों ने तय किया था कि सलमान खान की सुरक्षा टाइट रहती है। बुलेटप्रूफ वाहन भी उनके साथ रहते हैं। ऐसे में उनकी हत्या के लिए मारक क्षमता वाले हथियारों की जरूरत होगी। इसके चलते ये लोग हाई रेंज वाली बंदूकों की तलाश में जुट गए थे।

विधानसभा चुनाव में समीर वानखेड़े की एंट्री!

■ जल्द दे सकते हैं इस्तीफा

मुंबई. देश के सबसे चर्चित और हाई प्रोफाइल IRS अधिकारी समीर वानखेड़े अब राजनीति में कदम रखने जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक समीर वानखेड़े आगामी विधानसभा में ताल ठोकेंगे। सूत्रों की माने तो IRS अधिकारी समीर वानखेड़े शिवसेना शिंदे गुट से जुड़ेंगे। उन्हें शिंदे गुट मुंबई की किसी एक विधानसभा सीट से टिकट दे सकता है। सूत्रों के मुताबिक इस बात चर्चा काफी जोरों पर है कि वे धारावी सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। मुंबई की धारावी सीट से विधायक वर्षा गायकवाड के सांसद बनने के बाद अब उनके ही परिवार के सदस्य को कांग्रेस चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है। हालांकि समीर वानखेड़े ने अभी तक सरकारी नौकरी से इस्तीफा नहीं दिया है। माना जा रहा है कि वे जल्द ही सरकारी नौकरी से इस्तीफा देकर विधानसभा चुनाव लड़ने का आधिकारिक ऐलान कर सकते हैं।

रिया चक्रवर्ती और आर्यन खान केस से आए थे सुर्खियों में

समीर वानखेड़े रिया चक्रवर्ती और शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान केस से सुर्खियों में आए थे। वानखेड़े उस समय मुंबई नारकोटिक्स विभाग में तैनात थे। हालांकि वर्ष 2023 में समीर वानखेड़े खुद विवादों में घिर गए थे। उनके खिलाफ भी एक्शन लिए गए थे। पहले उन्हें विभाग से सस्पेंड किया गया और फिर फरवरी 2024 में ईडी ने उनके खिलाफ केस दर्ज कर लिया। अप्रैल 2024 में कोर्ट ने समीर वानखेड़े की गिरप्तारी पर रोक लगा दी थी।

महाराष्ट्र कांग्रेस की पहली लिस्ट 20 अक्टूबर को आएगी

बीजेपी ने भी 100 सीटों पर चर्चा की; 7 दिन में कैंडीडेट का ऐलान

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की पहली लिस्ट 20 अक्टूबर को जारी होगी। पार्टी की महाराष्ट्र चुनाव स्क्रीनिंग कमेटी ने 16 अक्टूबर को दिल्ली के हिमाचल भवन में बैठक की।

विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के प्रभारी रमेश चेन्निथला ने कहा, '20 अक्टूबर को हमारी एक और बैठक होगी। जिसके बाद उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी।

उधर भाजपा ने भी दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक की और पार्टी उम्मीदवारों पर चर्चा की। भाजपा सूत्रों ने कहा कि करीब 100 से अधिक सीटों पर चर्चा हुई है। कैंडीडेट के नामों का ऐलान अगले सात दिन में किया जा सकता है।

चुनाव आयोग ने 15 अक्टूबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का ऐलान किया। महाराष्ट्र की सभी 288 सीटों पर सिंगल फेज में 20

नवंबर को वोट डाले जाएंगे। रिजल्ट 23 नवंबर को आएगा। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म होगा।

महाराष्ट्र में महायुति यानी शिवसेना, भाजपा और NCP अजित पवार गुट की सरकार है। एंटी इनकम्बेंसी और 6 बड़ी पार्टियों के बीच बंटने वाले वोट को साधना पार्टी के लिए बड़ी चुनौती होगी।

2024 लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 सीटों में INDIA गठबंधन को 30 और NDA को 17 सीटें मिलीं।। इनमें BJP को 9, शिवसेना को 7 और NCP को सिर्फ 1 सीट मिली। भाजपा को 23 सीटों का नुकसान हुआ। 2019 लोकसभा चुनाव से NDA को 41 सीटें मिली थीं। 2014 में यह आंकड़ा 42 था। यानी आधे से भी कम।

2024 लोकसभा चुनाव के हिसाब से भाजपा 60 सीटों के आसपास सिमट जाएगी। विपक्षी गठबंधन के एक सर्वे में राज्य की 288 सीटों पर MVA यानी महाविकास अघाड़ी को 160 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। भाजपा के लिए मराठा आंदोलन सबसे बड़ी चुनौती है। इसके अलावा शिवसेना और NCP में तोड़फोड़ के बाद उद्धव ठाकरे और शरद पवार के साथ लोगों की सिम्पैथी है।

नौकरी दिलाने का वादा करके 3 लाख ठगे

कल्याण. कल्याण में एक 61 वर्षीय व्यक्ति के बेटे को डाक विभाग में नौकरी दिलाने का वादा करके 3 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। 64 वर्षीय आरोपी ने कल्याण इलाके के रहने वाले इस व्यक्ति से कुछ साल पहले संपर्क किया था। पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने व्यक्ति के बेटे को डाक विभाग में नौकरी दिलाने का वादा करके उससे 5 लाख रुपये लिए, लेकिन वादा पूरा नहीं किया। पीड़ित द्वारा आरोपी से संपर्क करने पर उसने केवल 2 लाख रुपये लौटाए। अधिकारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने बुधवार को धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात सहित विभिन्न कानूनी प्रावधानों के तहत आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

किसी भी धर्म को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए -मो. रेहान

मुंबई. विधायक नितेश राणे मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाकर जो बयान दे रहे हैं वह गंभीर है। श्री रामगिरि महाराज और श्री सरस्वती महाराज ने भी मुस्लिम समुदाय के महान व्यक्ति के बारे में बुरा बोलकर उनका अपमान किया। इन बयानों से न सिर्फ मुस्लिम समुदाय बल्कि दुनिया भर के लोग आहत हुए हैं. विधायक नितेश राणे के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की बात मो. रेहान आई मेमन ने मुंबई प्रेस क्लब में दी.

भाजपा के सत्ता में आने के बाद से धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। इसलिए मांग की गई कि नितेश राणे तुरंत माफी मांगें. अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए और उनके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाना चाहिए। नीतीश राणे के बयान से मुस्लिम अल्पसंख्यक नाराज हैं. जब भी विधायक नितेश राणे मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाएंगे, हम उनका विरोध करेंगे। नीतेश राणे के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री से की गई है। और साथ ही अगले कुछ दिनों में नितेश राणे के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर करने की बात मो. रेहान मेमन ने की।

एस.एस.टी.महाविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों ने

नेत्रहीन बंधुओं के साथ मनाई कोजागिरी

उल्हासनगर. कोजागिरी पूर्णिमा के अवसर पर एस.एस.टी. महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों ने जय हिंद अंध कल्याणकारी संस्था, अंबरनाथ पूर्व के नेत्रहीन बंधुओं को मसाला दूध और अल्पाहार देकर उनके साथ कोजागिरी मनाई। इस कोजागिरी कार्यक्रम के लिए एस.एस.टी. महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी और उपप्राचार्य तथा एनएसएस के ठाणे जिला समन्वयक श्री जीवन

विचारे का विशेष मार्गदर्शन मिला। इस कार्यक्रम की सफलता के लिए कार्यक्रम अधिकारी प्रो. योगेश पाटिल ने स्वयंसेवकों के साथ परिश्रम किया। यह उपक्रम महाविद्यालय के स्वयंसेवकों ने समाज के दुर्बल वर्ग के प्रति अपनापन और सेवा भावना जागृत करने के उद्देश्य से आयोजित किया था।

वागले आईटीआई में मतदान के लिए जनजागृति अभियान

ठाणे. आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर 147 कोपरी पाचपाखाडी विधानसभा के चुनाव निर्णय अधिकारी सर्जेराव म्हस्के पाटील के मार्गदर्शन में स्वीप के अंतर्गत आय.टी.आय वागले में मतदाता को मतदान करने के लिए जनजागृती किया गया इस कार्यक्रम में नागरिकों का अच्छा प्रतिसाद मिला इस समय उपस्थित नागरिकों ने 20 नवंबर को मतदान करने के लिए आश्वासन दिया।लोकतंत्र में हर नागरिक का मतदान करने के लिए अधिकार है और इस

अधिकार का उपयोग करना चाहिए।स्वयं मतदान करना चाहिए और घर के सभी सदस्य, रिश्तेदार, मित्रपरिवार को मतदान करने के लिए जागरूक करना चाहिए।साथ ही नए मतदाता सूची में नामकरण के लिए फार्म दिया गया और उनको मतदान करने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर स्वीप टिम के नोडल अधिकारी कमलाकांत म्हेत्रे, आयटीआय प्राचार्या माने व स्वीप सदस्य परदेशी, सोनावणे, परब, सावंत आदि उपस्थित थे।

STAFF REQUIRED
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT
&
For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED
CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

सारा ने मुंबई में खरीदी करोड़ों की प्रॉपर्टी

■ 22.26 करोड़ में दो ऑफिस स्पेस खरीदे

■ 66 लाख रुपए स्टाम्प ड्यूटी चुकाई

एक्ट्रेस सारा अली खान और उनकी मां अमृता सिंह ने मुंबई के अंधेरी वेस्ट में 22.26 करोड़ रुपए में दो ऑफिस स्पेस खरीदे हैं। इसके जरिए मां-बेटी ने रियल एस्टेट में इन्वेस्ट किया है।

यह ऑफिस स्पेस वीर सावरकर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के वीरा देसाई रोड पर स्थित सिग्नेचर बिल्डिंग के नौवें फ्लोर पर मौजूद हैं।

जुलाई 2023 में खरीदा था 9 करोड़ का ऑफिस

रिपोर्ट्स की मानें तो इस ऑफिस स्पेस को 10 अक्टूबर को रजिस्टर किया गया था। इससे पहले जुलाई 2023 में भी सारा और अमृता ने इसी बिल्डिंग के चौथे फ्लोर पर 9 करोड़ रुपए में एक ऑफिस स्पेस खरीदा था। तब इसके लिए उन्होंने 41.01 लाख रुपए स्टाम्प ड्यूटी के तौर पर दिए थे।

तीन फिल्मों की शूटिंग कर रही हैं सारा

सारा की आखिरी फिल्म इसी साल रिलीज हुई 'ए वतन मेरे वतन' थी। इन दिनों एक्ट्रेस तीन फिल्मों की शूटिंग कर रही हैं। वे 'मेट्रो...इन दिनों', 'स्काई फोर्स' और 'ईगल' जैसी फिल्मों में नजर आएंगी।

लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस के 8 डिब्बे पटरी से उतर गए

मुंबई. महाराष्ट्र के मालेगांव के पास गुरुवार को रेल हादसा हुआ है. अगरतला-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस के 8 डिब्बे पटरी से उतर गए हैं. हादसे में अभी किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है. रिपोर्ट के मुताबिक, 12520 अगरतला-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस गुरुवार सुबह ही अगरतला से रवाना हुई थी. दोपहर करीब 3:55 बजे यह लुमडिंग-बर्डरपुर हिल सेक्शन के डिबालोंग स्टेशन पर पटरी से उतर गई. ट्रेन के पावर कार और इंजन समेत 8 डिब्बे बेपटरी हुए हैं.

हादसे की सूचना मिलते ही दुर्घटना राहत ट्रेन और दुर्घटना राहत मेडिकल ट्रेन बचाव और बहाली कार्यों की निगरानी के लिए मौके पर पहुंच चुकी है. मंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल के लिए पहले ही रवाना हो चुके हैं.

इस बीच लुमडिंग-बदरपुर सिंगल लाइन सेक्शन पर ट्रेनों का ऑपरेशन अगले आदेश तक निलंबित कर दिया गया है. रेलवे ने एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है. हेल्पलाइन नंबर 03674 263120, 03674 263126 पर कॉल करके हादसे का अपडेट लिया जा सकता है.

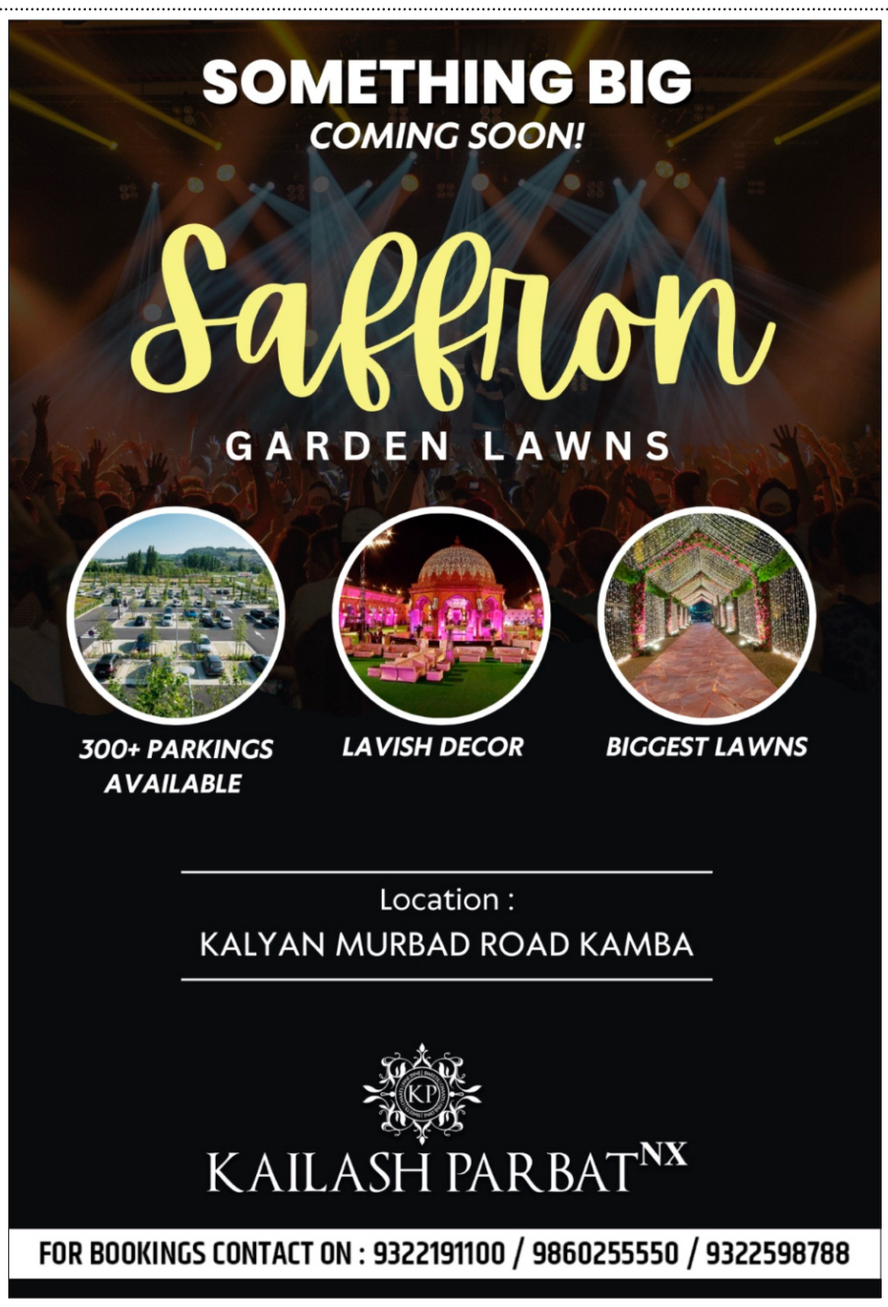

www.ulhasvikas.com
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
/ulhasvikas /ulhasvikas /ulhasvikas /ulhasvikas
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा
ULHAS VIKAS Hindi Daily By :- HERO ASHOK BODHA
www.ulhasvikas.com (Editor in Chief)
25 Lakhs THANK YOU Viewer's
25,00,000
Thank you
Pageviews yesterday 2,763
Pageviews last month 76,471
Pageviews all time history 1,007,712
Followers 168

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099